# प्रमुख का संदेश

हमारे देश के संविधान द्वारा हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। साथ ही यह देश में संपर्क सूत्र का भी कार्य करती है। आज वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी के बढ़ते महत्व को कोई भी नकार नहीं सकता है। कम्प्युटर से लेकर मोबाइल तक में हिंदी के प्रयोग ने इसकी ताकत को और बढाया है। सूचना प्रोद्योगिकी के इस युग में इंटरनेट पर भी हिंदी का उपयोग प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

हमारे गृह मंत्रालय एवं माननीय प्रधानमंत्री जी भी हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अत: हमारा भी यह उत्तरदायित्व हो जाता है कि हम भी तन-मन से अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु मिल-जुलकर प्रयास करें। इसके लिए पहल के रूप में, हम सभी को अपना-अपना सरकारी कामकाज यथासंभव हिंदी में करने का प्रयत्न करना पड़ेगा। इसके लिए कोई विशेष प्रयास की आवश्यकता नहीं है, केवल दृढ़संकल्प चाहिए। जैसा हम बोलते हैं वैसा ही लिखने का प्रयास करें, किसी पुरस्कार के मिलने की आशा से नहीं बल्कि अपने स्वाभिमान और अपने राष्ट्रगौरव के लिए।

प्रौद्योगिकी के विकास के चलते आजकल ऐसे सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध हैं जिन पर हम रोमन लिपि का प्रयोग करके हिंदी में आउटपुट प्राप्त कर सकते हैं। हमें इनका उपयोग करना चाहिए। हम सभी हिंदी-भाषी क्षेत्र में रहते हैं और अधिकांशत: हिंदी में ही बात करते हैं इसलिए हम बिना हिचकिचाहट अपनी बोलचाल की भाषा में ही मूलरूप से हिंदी में आसानी से काम कर सकते हैं।

मौसम/जलवायु विषय हमारे समाज के सभी कार्यों में बहुत लोकप्रिय है। अत: मौसम संबंधी संचार हिंदी में करने से और अधिक उपयोगी होगा। मैं यह उम्मीद करता हूं कि आप अधिकाधिक सरकारी कार्य हिंदी में करें क्योंकि आप सभी के सहयोग और समर्पण भाव से ही राजभाषा लक्ष्यों की प्राप्ति संभव हो सकेगी। मुझे विश्वास है कि आप सभी भविष्य में भी इसी प्रकार अपना योगदान देते रहेंगे।

हिंदी के प्रति मेरी ओर से आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

(आशीष के. मित्रा)
कार्यालय प्रमुख